International Journal of Literacy and Education

E-ISSN: 2789-1615
P-ISSN: 2789-1607
Impact Factor: 5.69
IJLE 2023; 3(1): 221-223
www.educationjournal.info
Received: 24-03-2023
Accepted: 29-04-2023

अरुण कुमार
शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र,
अवधेश प्रताप सिंह
विश्वविद्यालय, रीवा,
मध्यप्रदेश, भारत

Corresponding Author:
अरुण कुमार
शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र,
अवधेश प्रताप सिंह
विश्वविद्यालय, रीवा,
मध्यप्रदेश, भारत

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन

अरुण कुमार

सारांश
शिक्षा एक ऐसा साधन हैं जिसके माध्यम से बालक के सम्पूर्ण विकास का होता हैं | सम्पूर्ण विकास से तात्पर्य बालक के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षिक विकास से हैं | वर्तमान समय की बाल-केन्द्रित शिक्षा प्रणाली में बालक को उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा प्राप्त करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं | बालक का उच्च मानसिक स्वास्थ्य ही उसे उच्च उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए अभिप्रेरित करती हैं | प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध गुणांक का अध्ययन करना हैं | इस अध्ययन में न्यादर्श के रूप में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले से 600 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत याद्रच्छिक विधि से किया गया, जिसमे 300 छात्र (150 कला एवं 150 विज्ञान) तथा 300 छात्राओं (150 कला तथा 150 विज्ञान) को गैर आनुपातिक विधि से लिया गया | उपलब्धि अभिप्रेरणा के मापन के लिए डा. बीना शाह द्वारा निर्मित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी तथा मानसिक स्वास्थ्य के मापन के लिय ए.के.सिंह एवं अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का उपयोग किया गया | कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक के द्वारा प्राप्त आकड़ों का सहसंबंध ज्ञात किया गया | परिणाम में पाया गया कि मानसिक स्वास्थ्य तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं उसके समस्त आयामों के मध्य धनात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया | जो वह प्रदर्शित करता हैं कि मानसिक स्वास्थ्य के उच्च होने पर विद्यार्थियों के उपलब्धि |

कूटशब्द: विद्यार्थियों, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक, शिक्षा

प्रस्तावना
वर्तमान समय में शिक्षा बलकेन्द्रित प्रणाली पर आधारित हैं | जिसका आधार तत्व बालक हैं | इसके माध्यम से ही बालक का सम्पूर्ण विकास होता हैं जिसमे उसके शारीरिक, मानसिक , तथा शैक्षिक समस्त पक्ष उपस्थित होते हैं | बालक को देश की प्रगति का सूत्रधार माना जाता हैं | इसलिय बालक का मानसिक एवं शैक्षिक विकास उसकी योग्यताओं एवं क्षमताओं के अनुसार होनी चाहिए | बालक अपने द्रष्टिकोण से देखता हैं और समझने की कोशिश करता हैं | उसकी जिस विषय के प्रति रूचि अधिक होती हैं वह उसी क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने के लिए आंतरिक रूप से अभिप्रेरित होता हैं | बालक में रुचियाँ , धारणाएँ, मूल प्रवृतियां आदि पायी जाती हैं जो वंशानुगत या अर्जित दोनों हो सकती हैं यही उसे सर्वांगींण विकास की ओर ले जाती हैं | विद्यार्थी अपने जीवन में उच्च स्तर पर पहुचने के लिए उच्च कारको से प्रभावित होता हैं जिससे सबसे महत्वपूर्ण मानसिक स्वाथ्य हैं | मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य हैं जीवन की कठिनाइयों, परेशानियों, तनाव एवं विषय परिस्थितियों का सामना करने में

सक्षम होना हैं| मानसिक रूप से स्वास्थ्यमनुष्य में आवश्यक योग्यताएं, क्षमताएं और समायोजन की क्षमताएं होती हैं और संतुलित व्यक्तित्व के रूप में उभरते हैं और ये अनावश्यक चिंताओं, कुंठाओं एवं मानसिक विकार का शिकार नहीं होते हैं इसी सन्दर्भ में कट्स एवं मोसेले ने कहा हैं कि "मानसिक स्वास्थ्य वह योग्यता हैं जो हमें अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों में समायोजन करने में सहायक होती हैं |" मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता हैं कि किस तरह विद्यार्थी अपनी विषय परिस्थितियों में समायोजन करके अपनी उपलब्धि को प्राप्त कर सके क्योंकि उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं मानसिक स्वास्थ्य में घनिष्ठ सम्बन्ध होता हैं | अभिप्रेरणा एक एसा कारक होता हैं जिसमे किसी कार्य को करने के लिय प्रेरित किया जाता हैं | व्यक्ति के अन्दर एक एसी शक्ति उत्पन्न करता हैं जिससे वह किसी कार्य विशेष को करने के लिए प्रेरित होता हैं | अभिप्रेरणा मनुष्य के व्यवहार को दिशा निर्देशित करता हैं उनकी अधिगम क्रियाओं को गति प्रदान करता हैं | वेलमुरुगन एवं बालकृष्ण (2013)[4] ने पाया कि ग्रामीण एवं शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया | साथ ही अध्ययन के परिणाम यह भी बताते हैं कि एकल एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया हैं | श्रीवास्तव एवं माथुर (2014) ने परिणाम में पाया कि मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक एवं सार्थक सहसंबंध होता हैं | तलवार एवं दास (2014) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध पाया साथ ही यह परिणाम भीं पाया कि छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर पाया जाता हैं | तिवारी एवं सिंह (2017) के परिणाम यह बताते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक स्वास्थ्य का सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं तथा मानसिक रूप से स्वास्थ्य व्यक्तियों की शैक्षिक उपलब्धि मानसिक रूप से अस्वस्थ्य व्यक्ति की शैक्षिक उपलब्धि से अधिक होती हैं | मेहता एवं सिंह (2015)[3] ने बताया कि बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया जाता हैं |

वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में बालक तलावग्रस्त होकर अपनी उपलब्धि प्राप्त नहीं कर पाता हैं जिससे उसकी उपलब्धि अभिप्रेरणा प्रभावित होती हैं अत: विधार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा को प्राप्त करने में किस प्रकार उसका मानसिक विकास आवश्यक हैं कि किस प्रकार उनके मन के नकारात्मक विचार को सकारात्मक विचार में बदलें | इन्ही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए "उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन " को शोध विषय के रूप में चयनित किया गया |

शोध का उद्देश्य

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना |

परिकल्पनाएं

H01 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा उसके आयामों के मध्य सार्थक संबंध नहीं पाया जायेगा |

अध्ययन की परिसीमाएं

- प्रस्तुत अध्ययन के लिए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 12वीं के 600 विद्यार्थियों को चयनित किया गया हैं |
- चयनित विद्यार्थी उत्तर प्रदेश राज्य के जालौन जिले के हैं |
- विद्यार्थियों को चयनित करते समय उनके विषय कला एवं विज्ञान को ध्यान दिया गया हैं |

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य के जालौन जिले से 600 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत याद्रच्छिक विधि से किया गया, जिसमे 300 छात्र (150 कला एवं 150 विज्ञान) तथा 300 छात्राओं (150 कला तथा 150 विज्ञान) को गैर आनुपातिक विधि से लिया गया हैं |

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रूप में उपलब्धि अभिप्रेरणा के मापन के लिए डा.बीना शाह द्वारा निर्मित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी तथा मानसिक स्वास्थ्य के मापन के लिए ए.के.सिंह एवं अल्पना सेनगुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का उपयोग किया गया|

सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में सांख्यिकीय विश्लेषण के रूप में कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक के द्वारा प्राप्त आकड़ों का सहसंबंध ज्ञात किया गया |

निष्कर्ष एवं विश्लेषण

H01 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा उसके आयामों के मध्य सार्थक संबंध नहीं पाया जायेगा |

प्रस्तुत परिकल्पना की जाँच हेतु उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा उसके आयामों के मध्य कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक ज्ञात किया गया हैं | जिसे अधोलिखित तालिका क्रमांक -1 में दर्शया गया हैं -:

तालिका क्रमांक -1: उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा उसके आयामों का सांख्यिकीय विश्लेषण

	शैक्षिक सफलता की आवश्यकता	व्यासायिक उपलब्धि की आवश्यकता	सामाजिक उपलब्धि की आवश्यकता	कौशल उपलब्धि की आवश्यकता	कुल उपलब्धि अभिप्रेरणा
मानसिक स्वास्थ्य	0.188	0.239	0.214	0.165	0.234
= 0.01 सार्थकता स्तर					

उपरोक्त तालिका क्रमांक -1 के अवलोकन से ज्ञात होता हैं कि मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलधि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान **(**r=0.234), मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रथम आयाम शैक्षिक सफलता की आवशयकता (r= 0.188), मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के द्वितीय आयाम व्यवसायिक उपलब्धि की आवश्यकता (r =0.239), मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के तृतीय आयाम सामाजिक उपलब्धि की आवश्यकता (r = 0.214) तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के चतुर्थ आयाम कौशल उपलब्धि की आवश्यकता (r = 0.165) के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया | df=598 पर तालिका 0.104 होता हैं जो कि प्राप्त मानों से कम हैं | अत: मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा उसके आयामों के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध पाया गया |

परिणाम –उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सार्थक सहसंबंध पाया गया | अत: परिकल्पना अस्वीकृति होती है |

शैक्षिक उपादेयता

प्रस्तुत शोध अध्ययन के निष्कर्ष के आधार पर यह कहाँ सकता हैं कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व उपलब्धि अभिप्रेरणा में सहसंबंध पाया गया हैं | अत: उच्च उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए बालक का मानसिक रूप स्वस्थ होना आवश्यक हैं | शोध के परिणामों से पता चलता हैं कि जो बालक मानसिक रूप से स्वस्थ होता हैं उसकी उपलब्धि अभिप्रेरणा उच्च होती हैं | बालक के उत्तरोत्तर विकास के लिये उसके मानसिक स्वास्थ्य का उच्च होना अति आवश्यक हैं |

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Mangal SK. Education Psychology, P.H.L Learning Private Limitet, New Delhi, Publication; c2009. p. 603 605.
2. Mathur SS. Education Psychology, Agrawal Publication, Agra, 2010, 226, 460.
3. Mehta S, Singh, Singh M. A Differential Study of Mental Helth And Acadmic Achievement Of Secondary School Boys And Girls. International Journal Of Multidisciplinary Research And Development. 2015;2(7):80-85.
4. Velmurugan K, Balkrishnan V. A Study on Achievement Motivation of Higher Secondary School Student With Refrence To Gender And Type Of Family. International Journal of Teacger Education Research. 2013;2(5):7-12.